राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 48 | जौनपुर मंगलवार, 30 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भव्य रूप से छठ पर्व मनाने के लिए यमुना के किनारे बनाए जाएंगे अस्थायी घाट –मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार छठ पूजा के भव्य आयोजन के लिए यमुना नदी के दोनों किनारों पर अस्थायी घाट बनाने सहित व्यापक व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में छठ पूजा योजनाबद्ध तरीके से ऐतिहासिक होगी और पूर्वांचली लोगों को बिना किसी बाधा के त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, ''हमने यमुना के दोनों किनारों पर अस्थायी घाटों पर भव्य छठ पूजा की योजना बनाई है और सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं।'' गुप्ता ने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी और किसी भी तरफ से कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय राजधानी में भव्य छठ पूजा होगी। महामारी के दौरान यमुना तट पर छठ पूजा का आयोजन रोक दिया गया था। बाद में, अदालती आदेशों के कारण प्रतिबंध जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोग छठ पूजा करते हैं। सूर्य की उपासना के इस महापर्व में व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं और कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं।

हरियाणा में होंडा बनाएगी कचरे से टाइल्स, सरकार ने किया समझौता

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुरुग्राम में जापानी कंपनियों के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए होंडा कंपनी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत राज्य सरकार संयंत्र स्थापित करने के लिए भूमि और कचरा उपलब्ध कराएगी, जबकि होंडा कंपनी कचरे से टाइल्स का निर्माण करेगी। मुख्यमंत्री सैनी के 6 से 8 अक्टूबर तक जापान की यात्रा पर रहने की संभावना है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री सैनी ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य में कार्यरत प्रमुख जापानी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने हरियाणा में जापानी कंपनियों के लिए एक क्लस्टर की स्थापना पर भी चर्चा की तथा उन्हें नारायणगढ़ में यह क्लस्टर स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। सीएम सैनी ने कहा कि नारायणगढ़ चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के करीब केवल 40 से 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे व्यापार को काफी बढ़ावा मिलेगा। मानेसर में जलापूर्ति सुविधाओं पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है और जल्द ही कार्य शुरू हो जाएगा।

उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने में नगर निकायों की भूमिका अहम - योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक नगर निकाय अपनी कार्ययोजना में नवाचार को स्थान दे और ईज ऑफ लिविंग की अवधारणा के साथ नागरिक सेवाओं के आधुनिकीकरण को केंद्र में रखे। शहरी विकास केवल बुनियादी सुविधाओं तक सीमित न रहे, बल्कि हर नगर स्मार्ट सेवाओं, हरीतिमा विस्तार, बेहतर यातायात व्यवस्था और डिजिटल पहुंच का आदर्श बने। सीएम योगी ने सोमवार को 'विकसित यूपी 2047' संवाद शृंखला के अंतर्गत प्रदेश के 17 नगर निगमों के महापौरों व पार्षदों तथा 200 नगर पालिका और 545 नगर पंचायतों के अध्यक्षों व सदस्यों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में नगर निकायों की भूमिका सबसे अहम है। हर निकाय को यह संकल्प लेना होगा कि वह अपने नगर को स्वच्छ, आधुनिक, सुगठित और आत्मनिर्भर बनाने में कोई कमी न छोड़े। हर नगरीय निकाय को आय सृजन के नए माध्यम बनाने होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इस राष्ट्रीय यात्रा का अग्रणी राज्य है। बीते साढ़े 8 वर्षों में नगरीय विकास के क्षेत्र में राज्य ने ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज की हैं। 127 से अधिक नए नगर निकायों का सृजन और पुनर्गठन, 17 स्मार्ट सिटी का विकास, ई–गवर्नेंस सेवाओं का विस्तार, मेट्रो, आरआरटीएस और रोपवे जैसे आधुनिक परिवहन के प्रयास तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और सीवरेज की नई योजनाएं इसी दिशा में उठाए गए ठोस कदम हैं। लखनऊ और गाजियाबाद नगर निगम ने अपने म्युनिसिपल बॉन्ड जारी किए। हर नगरीय निकाय ने ढाई से तीन गुना तक आय बढ़ाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या, काशी, मथुरा और प्रयाग हो या गाजियाबाद, लखनऊ, झांसी, फिरोजाबाद और गोरखपुर, हर नगर नई ऊर्जा–नए स्वरूप में नए उत्तर प्रदेश की पहचान बने हैं।

गृह मंत्री अमित शाह के 160 सीट के दावे पर कांग्रेस ने किया पलटवार

बिहार, एजेंसी। कांग्रेस ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 160 से अधिक सीटें जिताने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह की अपील को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि शाह वोट चोरी और वोट रेवड़ी की बदौलत ऐसी उम्मीद कर रहे हैं लेकिन राज्य की जागरुक जनता इस साजिश को नाकाम कर देगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि बिहार में महागठबंधन जीतेगा और इसका सबसे पहला झटका दिल्ली में महसूस होगा। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, शिक्षा जगत में, वीसी का मतलब कुलपति होता है। स्टार्ट–अप की दुनिया में वीसी का मतलब वेंचर कैपिटल होता है। सेना में वीसी का मतलब वीर चक्र होता है। लेकिन अब हमारे पास एक नए तरह का वीसी है जो हमारी राजनीति को परिभाषित कर रहा है। वो है वोट चोरी। उन्होंने दावा किया कि इस वोट चोरी सूत्र धार ने बिहार में वीसी के लक्ष्य का खुलासा कर दिया है। उन्होंने कहा, '' केंद्रीय गृह मंत्री ने पूरे विश्वास के साथ घोषणा की है कि राजग को 243 में से 160 से ज़्यादा सीटें मिलेंगी। उन्हें उम्मीद है कि वीसी और वीआर (वोट रेवड़ी) मिलकर यह परिणाम लायेंगे। बिहार की राजनीतिक रूप से सबसे जागरुक जनता इन षडयंत्रों को परास्त करेगी। बिहार में महागठबंधन जीतेगा और इसका सबसे पहले झटका नई दिल्ली में महसूस किया जाएगा।

सीएम धामी की खुली चुनौती, किसी भी जाँच के लिए तैयार

उत्तराखंड, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के प्रति अपनी सरकार के जीरो टॉलरेंस के रुख को दोहराया और आश्वासन दिया कि युवाओं के साथ कोई अन्याय नहीं होगा और उनकी सरकार यूकेएस एसएससी पेपर लीक मामले की किसी भी जांच के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि विधानसभा और सचिवालय जनता से मिलने और दैनिक कार्यों को संबोधित करने के स्थान हैं। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने कहा है कि युवाओं के अधिकारों, योग्यताओं, प्रतिभाओं और क्षमताओं के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए। भर्ती प्रक्रिया में कोई भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए। यदि कोई प्रश्न हैं, तो हमने कहा है कि हम छात्रों की इच्छानुसार कोई भी जांच कराने के लिए तैयार हैं। आगे कई परीक्षाएँ हैं। सभी को खुद को तैयार करना चाहिए। इससे पहले रविवार को, मुख्यमंत्री ने भर्ती परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि 25,000 से ज़्यादा नियुक्तियाँ बिना किसी गड़बड़ी के की जा चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि यूकेएसएसएससी द्वारा आयोजित 2025 स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा में कथित पेपर लीक की वर्तमान में एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) द्वारा जाँच की जा रही है। यूकेएसएस एससी स्नातक स्तरीय परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों के बाद यह जाँच के दायरे में आई, जिसके बाद राज्य सरकार ने न्यायिक निगरानी में जाँच के आदेश दिए। कथित अनियमितताओं की जाँच और जिम्मेदार लोगों की पहचान के लिए 24 सितंबर को देहरादून ग्रामीण की पुलिस अधीक्षक जया बलूनी की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था।

भाजपा सत्ता नहीं, सेवा के लिए सरकार में - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नवरात्र के इन पावन दिनों में आज दिल्ली भाजपा को अपना नया कार्यालय मिला है। ये नए सपनों और नए संकल्पों से भरा पल है। मैं दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना को 45 वर्ष हो चुके हैं। अटल जी, आडवाणी जी, नाना जी देशमुख, राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी, मुरली मनोहर जोशी जी... ऐसे अनेक व्यक्तित्वों के आशीर्वाद और परिश्रम से ये पार्टी आगे बढ़ी है। नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि लेकिन जिस बीज से भाजपा आज इतना बड़ा वटवृक्ष बना है, उसका रोपण अक्टूबर 1951 में हुआ था। तब डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के नेतृत्व में जनसंघ की स्थापना हुई थी। और उसी दौर में दिल्ली जनसंघ को भी वैद्य गुरुदत्त जी के रूप में अपना पहला अध्यक्ष मिला। 1980 में जब भाजपा की स्थापना हुई तो वीके मल्होत्रा जी को दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। आज दिल्ली भाजपा जिस मजबूती में है, वो बीते दशकों में हमारे लाखों कार्यकर्ताओं के त्याग और परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ साहनी जी, साहिब सिंह वर्मा जी, मदनलाल खुराना जी...ऐसे अनेक दिग्गज नेताओं ने हमें सेवा की अमिट राह दिखाई। अरुण जेटली जी और सुषमा स्वराज जी जैसे कितने ही व्यक्तित्वों ने पार्टी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मोदी ने कहा कि दिल्ली और बीजेपी का संबंध सिर्फ एक शहर और पार्टी का नहीं है। संबंध सेवा, संस्कार और सुख–दुख की साथी होने का है। पहले जनसंघ के रूप में और फिर भाजपा के रूप में... हमारी पार्टी दिल्ली के दिल से, दिल्ली के हितों से जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों के अंतराल के बाद, अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है। दिल्ली की जनता ने अपने बेहतर भविष्य के सपने और उम्मीदें भाजपा में लगाई हैं।

तटीय सुरक्षा चुनौती पर आत्मनिर्भर भारत ही देगा समाधान – रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता के बीच समुद्री चुनौतियों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय तटरक्षक कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने शरणार्थियों की आमद और अवैध प्रवासियों को बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए एक चुनौती बताया। उन्होंने कहा, भारत अपनी भूमि सीमाओं के संबंध में कई चुनौतियों का सामना करता रहता है। हमारे पड़ोसी देशों की हरकतें किसी से छिपी नहीं हैं। एक और चीज जो हम देख सकते हैं, वह है हमारे आसपास के देशों में अस्थिरता।

ये चुनौतियाँ हमारे समुद्री क्षेत्र, विशेष रूप से बंगाल की खाड़ी को प्रभावित करती हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि शरणार्थियों की आमद, अवैध प्रवासी और समुद्री गतिविधियाँ हमारी तटीय सुरक्षा को चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। हमें खुद को केवल नियमित निगरानी तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि हमें दोहरे मोर्चे पर नजर रखनी होगी। समुद्री सुरक्षा केवल हमारे जहाजों तक सीमित नहीं हैय बल्कि, यहाँ भू–राजनीतिक जागरूकता और तैयारी आवश्यक है। केंद्र के आत्मनिर्भरता के आह्वान को दोहराते हुए, उन्होंने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल के जहाजों की सर्विसिंग और मरम्मत भारत में की जा रही है, और तटरक्षक बल का 90 प्रतिशत बजट स्वदेशी संपत्तियों के विकास में जाता है। उन्होंने सम्मेलन में कहा कि सरकार आपको अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए काम कर रही है। हम मशीन और मानव शक्ति, दोनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम भारतीय तटरक्षक बल को सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं।

स्काउट गाइड' हमेशा सामाजिक कल्याण के लिए आगे रहा : खन्ना

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को श्स्काउट गाइडश की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के मौके पर आयोजित भूमि पूजन में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में स्काउट गार्ड की तरफ से सामाजिक कल्याण की दिशा में दिए गए योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब यहां पर टाउनशिप भी बनने जा रही है, जिसमें 35 हजार से ज्यादा लोगों के ठहरने की व्यवस्था होगी। यहां पर लोगों की सुविधा के लिए शौचालय, भोजन सहित अन्य प्रकार की सुविधाएं की गई हैं, जिसके जरिए यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि यहां आने वाले किसी भी व्यक्ति को कोई दिक्कत नहीं हो। उन्होंने 'स्काउट गाइड' की खूबियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड हमेशा से ही सामाजिक कल्याण की दिशा में आगे रहा है। जब कभी किसी पर कोई संकट आया है तो यह हमेशा से ही आगे रहा है। इसने कभी अपने कदम पीछे नहीं खींचे। यहां पर आगामी दिनों में एक बहुत बड़ा समागम देखने को मिलेगा। यह आगामी दिनों में देश को सशक्त करने की दिशा में अपना अमूल्य योगदान देगा। खास बात है कि इस समागम में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भी आमंत्रित किया जाएगा।

निर्मला सीतारमण ने ने किया घटना स्थल का दौरा, घायलों और पीड़ितों के परिजनों से की मुलाकात

करूर एजेसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को तमिलनाडु के करूर का दौरा किया और टीवीके प्रमुख विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस रैली में 41 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन को व्यक्तिगत रूप से फोन किया और उन्हें घटनास्थल पर जाकर शोक संतप्त परिवारों से मिलने और घायलों का हालचाल जानने के लिए कहा। सीतारमण ने कहा कि भगदड़ में कई लोग, पुरुष और महिलाएँ, शरीर पर जगह–जगह घायल हो गए। हम कुछ मृतकों के परिवारों से भी मिले। उनकी कहानियाँ सुनकर मेरा कलेजा मुँह को आ गया। मेरा दिल दुख से भर गया है। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि करूर की घटना स्तब्ध करने वाली है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। प्रधानमंत्री ने मुझे और डॉ. मुरुगन को फोन किया और हमें उन सभी परिवारों से मिलने और घायलों का हालचाल जानने की सलाह दी, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मुरुगन के साथ, उन्होंने जिला कलेक्टर के साथ भगदड़ स्थल का निरीक्षण किया और पीड़ितों के कई परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मैं न तो उनसे बात कर पाई और न ही उन्हें सांत्वना दे पाई। उनमें से ज़्यादातर गरीब परिवारों से हैं। मैं उनका दर्द सुन सकती थी। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री का शोक संदेश शोक संतप्त और घायलों तक पहुँचाया। सीतारमण ने सार्वजनिक समारोहों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं के महत्व पर भी प्रकाश डालारू ष्सार्वजनिक मामलों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएँ निर्धारित करने का कोई भी समय बुरा नहीं होता, खासकर जहाँ लोगों की भारी भीड़ होगी। शायद, हम बहुत देर कर चुके हैं। सिर्फ एक राज्य में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में, हमारे पास सार्वजनिक समारोहों के प्रबंधन का एक बेहतर तरीका होना चाहिए।

बिहार को नीतीश सरकार की बड़ी सौगात 11,921 करोड़ की 20,658 योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन

बिहार, एजेंसी। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में रिमोट के माध्यम से 11,921 करोड़ रुपये की 20,658 योजनाओं का शिलान्यास/ कार्यारंभ एवं उद्घाटन किया। इसके अंतर्गत 7,805 करोड़ रुपये की लागत से जन सुविधा एवं विकास से संबंधित 16,065 योजनाओं का शिलान्यास /कार्यारंभ तथा 4,116 करोड़ रुपये की लागत की 4,593 योजनाओं का उद्घाटन कार्य शामिल है।

आज के कार्यक्रम के अंतर्गत भवन निर्माण विभाग एवं बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा, पशु एवं मत्स्य संसाधन, समाज कल्याण, परिवहन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, खेल, श्रम संसाधन, राजस्व एवं भूमि सुधार, कला संस्कृति एवं युवा, आपदा प्रबंधन, गृह, कृषि, सामान्य प्रशासन एवं वाणिज्य कर विभाग के भवनों के निर्माण से संबंधित 997 करोड़ रुपये लागत की 97 योजनाओं का शिलान्यास/ कार्यारंभ तथा 2467 करोड़ की लागत से 137 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। साथ ही लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अंतर्गत छूटे हुए टोलों में पेयजल आपूर्ति तथा बहुग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं से संबंधित 5190 करोड़ रुपये की लागत की 15670 योजनाओं का शिलान्यास/कार्यारंभ एवं 1377 करोड़ रुपये की लागत की 4312 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न जिलों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक भवन, अनुमंडलीय अस्पताल, औषधि भंडार गृह एव स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से संबंधित 1121 करोड़ रुपये की लागत की 281 योजनाओं का शिलान्यास /कार्यारंभ एवं 272 करोड़ की लागत की 144 योजनाओं का उध्द्घाटन किया गया। इसके अलावा पर्यटन विभाग के अंतर्गत 497 करोड़ की लागत से पर्यटन के विकास से संबंधित 17 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

संपादकीय

सौ वर्षों की संघ यात्रा और युवा चेतना

जिस राष्ट्र के युवा जागते हैं, उसका भाग्य भी जाग उठता है। यह सत्य केवल विचार नहीं, बल्कि भारत के इतिहास की धड़कन है। जब–जब युवा पीढ़ी ने अपने जीवन को राष्ट्र के लिए समर्पित किया है, तब–तब समाज ने नवचेतना पाई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उदय इसी भावभूमि पर हुआ। सन 1925 की विजयादशमी को नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी ने संघ की स्थापना की। उस समय भारत गुलामी, विखंडन और हताशा में डूबा था। उन्होंने अनुभव किया कि स्वतंत्रता की प्रथम शर्त संगठन है। उनके शब्द आज भी गूंजते हैं– शक्ति का संचय तब होगा जब अनुशासन और संगठन होगा। स्वयंसेवक की संकल्पना संघ की आत्मा है। स्वयंसेवक वह है जो बिना किसी स्वार्थ या प्रतिफल की अपेक्षा के राष्ट्र और समाज के लिए अपने तन, मन और समय को अर्पित करता है। उसका जीवन केवल निजी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह अपनी सांसों को भी मातृभूमि की सेवा का साधन बना देता है।

संगठन का आधार और राष्ट्र की त्रिवेणी

संघ की विचारधारा तीन दिव्य स्तंभों पर खड़ी है– हिन्दू राष्ट्र–विचार, नैतिकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद। हिन्दू राष्ट्र–विचार युवाओं को यह स्मरण कराता है कि भारत सिर्फ एक राजनीतिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवित संस्कृति है। यह विचार उन्हें उनकी जड़ों से जोड़ता है और यह विश्वास जगाता है कि उनकी पहचान किसी पश्चिमी छवि से नहीं, बल्कि अपने परंपरागत मूल्य और गौरव से निर्मित होती है। नैतिकता युवा मन को यह सिखाती है कि प्रगति केवल विज्ञान या तकनीक की उपलब्धि से नहीं आती, बल्कि सत्य, ईमानदारी और अनुशासन के अभ्यास से जीवन सार्थक बनता है। यह उन्हें आत्मकेंद्रित भोग से ऊपर उठाकर समाज और राष्ट्र की ओर उन्मुख करती है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद युवाओं को यह एहसास कराता है कि भारत का अस्तित्व केवल भूगोल तक सीमित नहीं, बल्कि गीत, भाषा, उत्सव, कला और लोक–परंपराओं की अखंड धारा है। यही वह शक्ति है जो उन्हें विविधता में एकता का अनुभव कराती है और भविष्य की राह पर आत्मविश्वास से खड़ा करती है। अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था, संघ ने हमें यह सिखाया कि स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज का हित सर्वोपरि है। यही संस्कार आज के युवा भारत के लिए पथप्रदर्शक हैं।

शिक्षा और सेवा का संगम

संघ का विश्वास है कि राष्ट्रनिर्माण शिक्षा की नींव पर ही टिकता है। इसी उद्देश्य से विद्या भारती और शिशु मंदिर विद्यालयों का जाल देशभर में फैला है। आज लगभग 12,000 से अधिक विद्यालय संचालित हैं, जिनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी और डेढ़ लाख से अधिक शिक्षक संस्कारयुक्त शिक्षा से जुड़े हैं। उत्तर–पूर्व और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों तक यह नेटवर्क पहुंचा है, जहां शिक्षा के साथ आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना का संचार हो रहा है। इन विद्यालयों का वातावरण केवल परीक्षा और अंक तक सीमित नहीं रहता। यहां प्रार्थना के स्वर, खेलों की हंसी और सेवा की भावना हर विद्यार्थी को यह सिखाती है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल करियर नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण है।

पराली जलाने की समस्या : एक पर्यावरणीय संकट और कृषि की दुविधा

जयसिंह

सदैव किसानों के प्रति सहानुभूति रखने वाला सर्वोच्च न्यायालय भी जब धैर्य खोकर पराली जलाने वाले दो–चार किसानों को जेल भिजवाने और कठोरता से पराली जलाने से रोकने की हिदायत पंजाब और हरियाणा की सरकारों को देने लगे तो इस समस्या की गंभीरता को समझा जा सकता है। लेकिन विचारणीय विषय यह है कि इस गंभीर समस्या का समाधान अगर केवल जेल या कानून होता तो यह पिछले वर्ष या उससे पहले ही सुलझ चुकी होती। अदालत ने पिछले साल भी सख्त रुख अपनाया था, जिसके बाद पंजाब में पराली जलाने के दस हजार से अधिक मामले सामने आए

थे। लगभग दो करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया, जिसमें से केवल सवा करोड़ रुपये की ही वसूली हो पाई। पराली जलाने की समस्या भारत के कृषि क्षेत्र की एक पुरानी और जटिल चुनौती है, जो हर साल अक्टूबर–नवंबर में चरम पर दिखाई देती है। विशेषकर पंजाब और हरियाणा में धान की फसल कटाई के बाद बची पराली को जलाना न केवल हवा को जहरीला बनाता है, बल्कि स्वास्थ्य, मिट्टी की उर्वरता और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर डालता है।

सर्वोच्च न्यायालय की चिंता – सख्ती की पुकार

सर्वोच्च न्यायालय ने पराली जलाने को प्रदूषण–मुक्त जीवन के मौलिक अधिकार का उल्लंघनश माना है। 17 सितंबर 2025 को मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की पीठ ने कहा, "कुछ किसानों को जेल भेजो, ताकि संदेश पहुंचे।" न्यायालय ने गिरफ्तारी और जुर्माने की सिफारिश की, हालांकि केंद्र सरकार ने नीतिगत समाधान पर अधिक बल दिया। 2023 में न्यायालय ने पंजाब सरकार को फटकारते हुए कहा था, "कैसे रोकें यह पता नहीं, लेकिन रोकना होगा।" हाल में आयोग को रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया गया, ताकि शून्य पराली जलानाश सुनिश्चित हो सके। न्यायालय का दृष्टिकोण है कि किसान महत्त्वपूर्ण हैं, पर प्रदूषण असहनीय है।

समस्या की जड़ें – कितनी पुरानी?

पराली जलाने की प्रथा भारत में कम से कम 1980 के दशक से प्रचलित है, जब हरित क्रांति ने पंजाब और हरियाणा को धान–गेहूं की दोहरी फसल का केंद्र बना दिया। हर साल भारत में लगभग 352 मिलियन टन पराली उत्पन्न होती है, जिसमें 22 प्रतिशत गेहूं और 34 प्रतिशत धान से आती है। पंजाब में अकेले 70–80 लाख मीट्रिक टन धान की पराली जलाई जाती है, जो उत्तर भारत के वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है। 2015 में इसी से जुड़े प्रदूषण के कारण भारत में लगभग 66 हजार मौतें हुईं। यह समस्या मुख्य रूप से पंजाब (32.44 लाख हेक्टेयर धान क्षेत्र, 2024) और हरियाणा (लगभग 110 लाख मीट्रिक टन धान उत्पादन, वित्त वर्ष 2023) तक सीमित है, लेकिन इसका असर पूरे उत्तर भारत में फैलता है। 2024 में आगजनी की घटनाएँ कम हुई थीं, लेकिन 2025 में खतरा फिर से मंडरा रहा है।

पराली जलाने से निकलने वाले धुएँ में सूक्ष्म कण (पी.एम. 2.5), नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और काला कार्बन जैसे विषैले तत्व होते हैं, जो सांस की बीमारियाँ, कैंसर और हृदय रोगों को बढ़ाते हैं। 2020 के एक अध्ययन के अनुसार, यह दक्षिण एशिया में वायु प्रदूषण का प्रमुख स्रोत है, जिससे सर्दियों में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 500 से ऊपर पहुँच जाता है। पर्यावरण पर इसका गहरा असर पड़ता है काला कार्बन ग्लेशियरों के पिघलने की गति बढ़ाता है, ओजोन परत को नुकसान पहुँचता है और जैव विविधता घटती है। मिट्टी के लिए तो यह अत्यंत हानिकारक है ऊष्मा से लाभकारी जीवाणु और फफूँद मर जाते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता घटती है और फसल उत्पादन 20–30 प्रतिशत तक कम हो सकता है। 2022 के एक अध्ययन में पाया गया कि पराली जलाने से नाइट्रोजन डाइऑक्साइड 22 से 80 प्रतिशत और कार्बन मोनोऑक्साइड 7 से 25 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

यह प्रदूषण केवल स्थानीय क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। पंजाब और हरियाणा से उठकर हवा के साथ यह दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (200 किलोमीटर दूर) तक पहुँचता है, जहाँ सर्दियों की स्थिर हवा इसे फंसाए रखती है।

इसका असर उत्तर प्रदेश, राजस्थान ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान और नेपाल तक भी जाता है। 2020 में बीबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि यह धुंध पूरे उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले लेती है, जिसके कारण विद्यालय बंद करने और स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने तक की स्थिति आ जाती है।

एशिया कप मैच में भारत की जीत

विनोद

थैंक्यू हारिस रऊफ!! जी हां, भारतीय फैन्स पाकिस्तान के क्रिकेटर हारिस रऊफ से यही कह रहे हैं। हारिस रऊफ एकबार फिर भारत के लिए लकी साबित हुआ है। यदि वो 22 गेंदों पर 50 रन नहीं पिटवाता तो भारत एशिया कप का फाइनल इतना आसानी से नहीं जीतता। हारिस रऊफ ही वो खिलाड़ी है, जो भारत को लेकर अपनी नफरत के लिए प्रसिद्ध है। हारिस रऊफ ही वो खिलाड़ी है, जो मैदान पर प्लेन गिरने के बेहूदा इशारे कर रहा था। भारतीय टीम ने इस पाकिस्तानी बिगड़ैल खिलाड़ी को अच्छा सबक सिखाया है। हारिस रऊफ की गिनती पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों में होती है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स तो हारिस रऊफ की प्रशंसा में बड़ी–बड़ी बातें करके उसका खौफ बनाना चाहते थे, लेकिन वर्ष 2022 के टी–20 वर्ल्ड कप में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने लगातार दो छक्के लगाकर हारिस रऊफ की हवा निकाल दी थी।

विराट कोहली बनाम हारिस रऊफ

स्ट्रेट ड्राइव वाले छक्के को तो आज तक पाकिस्तानी भूले नहीं हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा दावा करते थे कि हारिस रऊफ की 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से डाली गेंद पर दुनिया का कोई बल्लेबाज स्ट्रेट ड्राइव पर छक्का नहीं लगा सकता है। विराट कोहली ने जो खबर हारिस रऊफ की ली थी, उसका असर यह है कि जब भी मैदान पर फैन्स हारिस रऊफ को देखते हैं, वो कोहली–कोहली के नारे लगाने लगते हैं। यहां तक की जब हारिस रऊफ एशिया कप फाइनल के बाद अपना मैडल लेने आ रहा था, तब भी फैन्स ने कोहली–कोहली के नारे लगा दिए। हारिस रऊफ की बदतमीजियों पर कथा लिखी जा सकती है। हारिस रऊफ ने वर्ष 2024 में टी–20 वर्ल्ड कप के दौरान एक क्रिकेट फैन से बदतमीजी की थी। हुआ यूं था कि जब हारिस रऊफ अपनी पत्नी के साथ होटल में चहलकदमी कर रहा था, तब एक फैन ने उसके साथ सेल्फी लेने की गुजारिश की, लेकिन हारिस रऊफ उल्टा फैन पर बिगड़ गया था। उसने बिना किसी आधार के फैन को भारतीय बता दिया था, जबकि वो फैन पाकिस्तानी था।

मैदान पर किया था विवादित इशारा

साफ है कि हारिस रऊफ के मन में भारत को लेकर जहर भरा हुआ है। एशिया कप के एक मैच में हारिस रऊफ ने बाउंड्री पर प्लेन गिरने का इशारा करके भारत को चिढ़ाने वाला काम किया था, जिसकी एवज में उसकी 30 प्रतिशत मैच फीस काटी गई है। हद तो यह है कि हारिस रऊफ की पत्नी मुजना मसूद मलिक ने भी इंटाग्राम पर पति का फोटो लगाकर लिखा दिया था, मैच तो हार गए, लेकिन युद्ध जीत लिया, लेकिन जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई, मुजना ने पोस्ट डिलीट कर दी। विवादों से हारिस रऊफ का नाता नया नहीं है। जनवरी 2020 में ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग के दौरान एक विकेट लेने के बाद हारिस रऊफ ने गला काटने जैसा जश्न मनाया था, जब विवाद बढ़ा, तब उसने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी।

फरवरी 2022 में पाकिस्तान सुपर लीग के एक मैच के दौरान हारिस रऊफ को यह कहते देखा गया कि उसने साथी खिलाड़ी कमरान गुलाम को थप्पड़ मारा है। दिसंबर 2023 में हारिस रऊफ ने ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट श्रृंखला न खेलने को प्राथमिकता दी, क्योंकि वो बिग बैश लीग खेलना चाहते थे। नाराज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उसका सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था, जो स्पष्टीकरण के बाद मार्च 2024 में बहाल किया गया। देखा जाए तो हारिस रऊफ अंदर से बेहद कमजोर आदमी है, क्योंकि हर बार तुच्छ हरकत के बाद वो माफी मांग लेता है।

हारिस की घटिया हरकतें

एशिया कप के फाइनल से पहले भी हारिस रऊफ अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। जब भारत का राष्ट्रगान बज रहा था, तब उसने साथी खिलाड़ी शाहीन शाह अफरीदी से बातचीत शुरू कर दी, जो एक घटिया हरकत है। वैसे, फाइनल मैच में टीम इंडिया ने हारिस रऊफ जैसे बददिमाग पाकिस्तानी क्रिकेटर को अच्छा सबक सिखाया। पहले भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हारिस रऊफ को क्लीन बोल्ड कर उसी की भाषा में प्लेन वाला का इशारा करके जवाब दिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल है। फिर बल्लेबाजी के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने हारिस रऊफ की जमकर धुनाई की।

हारिस रऊफ की फेंकीं 22 गेंदों पर तीन छक्के और चार चौके लगाए। अंतिम ओवर में हारिस रऊफ को 9 रन बचाने थे, लेकिन तिलक वर्मा और रिंकू सिंह ने 4 गेंदों पर 13 रन ठोक डाले। भारत के खिलाफ अहम मुकाबलों में हारिस रऊफ का प्रदर्शन भारतीय फैन्स को खुश करने वाला था। इसलिए हर भारतीय फैन हारिस रऊफ का आभार जता रहा है।

..... विविध .....

तनाव और एंजाइटी को दूर कर सकती है 4-7-8 ब्रीदिंग तकनीक, कुछ ही मिनटों में मिलेगा आराम

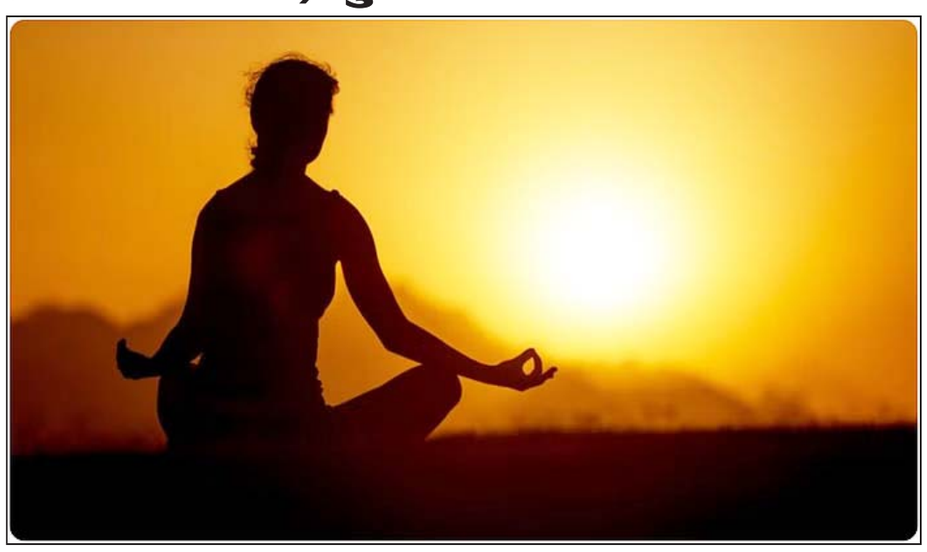

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और एंजाइटी एक आम समस्या बन गई है, जिससे छुटकारा पाने के लिए लोग तरह–तरह के उपाय अपनाते हैं। कई बार बेचैनी और घबराहट इतनी बढ़ जाती है कि समझ नहीं आता कि इसे तुरंत कैसे नियंत्रित किया जाए। ऐसी स्थिति में, सांसों पर आधारित एक सरल तकनीक आपके लिए हीलर की तरह काम कर सकती है। इस तकनीक को 4–7–8 ब्रीदिंग कहा जाता है, जिसे प्रसिद्ध अमेरिकी डॉक्टर एंड्रयू वेल ने लोकप्रिय बनाया है। यह योग के प्राणायाम पर आधारित एक वैज्ञानिक तकनीक है, जो नर्वस सिस्टम को शांत कर कुछ ही मिनटों में आराम पहुंचाने में मदद करती है।

4–7–8 ब्रीदिंग तकनीक?

यह सांस लेने और छोड़ने का एक विशेष तरीका है। इसमें सबसे पहले 4 सेकंड तक सांस लेना है, फिर 7 सेकंड तक उसे रोके रखना और 8 सेकंड तक उसे धीरे–धीरे छोड़ना है। इस तकनीक का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा 8 सेकंड की लंबी सांस छोड़ने की प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करती है, जो शरीर के रेस्ट एंड डाइजेस्ट मोड को शुरू करता है और फाइट और फ्लाइट प्रतिक्रिया को तुरंत कम कर देता है, जिससे हृदय गति धीमी होती है और मन शांत होता है।

कैसे करें इस तकनीक का अभ्यास?

इस तकनीक का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले एक शांत जगह पर आराम से बैठ या लेट जाएं और अपनी जीभ की नोक को ऊपर के दांतों के ठीक पीछे वाली जगह पर टिका लें। इस प्रक्रिया की शुरुआत में मुंह से व्हूश की आवाज करते हुए सारी हवा बाहर निकालें। इसके बाद अपना मुंह बंद करें और नाक से धीरे–धीरे 4 तक गिनते हुए सांस अंदर भरें। अब अपनी सांस को 7 सेकंड के लिए रोककर रखें और अंत में, 8 सेकंड तक गिनते हुए मुंह से फिर श्व्हूशश की आवाज के साथ सांस को पूरी तरह बाहर छोड़ दें। इतना करने के बाद एक साइकिल पूरा होता है, अब इस प्रक्रिया को कुल चार बार दोहराएं।

कैसे काम करती है यह तकनीक?

जब हम तनाव में होते हैं, तो हमारी सांसें छोटी और तेज हो जाती हैं। 4–7–8 तकनीक इस पैटर्न को तोड़ने में मदद करती है। 7 सेकंड तक सांस रोकने से शरीर की कोशिकाओं को ऑक्सीजन सोखने का अधिक समय मिलता है।

वहीं 8 सेकंड तक धीरे–धीरे सांस छोड़ने से रक्त में कार्बन डाइऑक्साइड की अधिक मात्रा बाहर निकलती है, जो हृदय गति को धीमा कर मन को शांत करने में मदद करती है। यह तकनीक आपके दिमाग को चिंताओं से हटाकर सांसों की गिनती पर केंद्रित करती है, जिससे तुरंत राहत महसूस होता है।

तनाव और एंजाइटी को तुरंत कम करने के अलावा, यह तकनीक नींद न आने की समस्या में भी बेहद कारगर है। रात को सोने से पहले इसका अभ्यास करने से आपको जल्दी नींद आ सकती है। यह तकनीक बेहद सरल है जिसे आप कहीं भी, कभी भी अपनाकर अपने मन को शांत कर सकते हैं और अपनी भावनाओं पर बेहतर नियंत्रण पा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इसके नियमित अभ्यास से दीर्घकालिक लाभ मिलते हैं। अगर आप क्रॉनिक मेंटल स्ट्रेस से परेशान हैं तो आपको काउंसलर की मदद लेनी चाहिए।

मां कालरात्रि को प्रिय है गुड़, नवरात्रि के सातवें दिन अवश्य करें अर्पित

शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की विशेष पूजा होती है, जो दुर्गा मां के नवरूपों में से एक शक्तिशाली स्वरूप हैं। इस दिन भक्त मां कालरात्रि की विशेष आराधना करते हैं ताकि वे अपने जीवन से सभी भय, बाधाएं और नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकें। कहा जाता है कि मां कालरात्रि को गुड़ से बने पकवान बेहद प्रिय हैं, जो उनकी कृपा पाने का एक महत्वपूर्ण तरीका भी है।

गुड़ के पकवान न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि वे ऊर्जा और पोषण से भरपूर भी होते हैं, जिससे व्रती और भक्तों को शक्ति मिलती है। इस शुभ अवसर पर गुड़ से बने पारंपरिक पकवान बनाना और उनका भोग अर्पित करना मां कालरात्रि को प्रसन्न करने का श्रेष्ठ तरीका माना जाता है। आइए जानते हैं गुड़ से बनने वाले कुछ लोकप्रिय और सरल पकवानों के बारे में, जिन्हें आप नवरात्रि के सातवें दिन पूजा में भोग के रूप में अर्पित कर सकते हैं।

गुड़ की खीर बनाने का सामान

चावल
दूध
गुड़
इलायची
घी
सूखे मेवे

खीर बनाने की विधि

गुड़ की खीर बनाने के लिए सबसे पहले चावलों को थोड़ी देर के लिए भिगो दें। ऐसा करने से चावल फूल जाएंगे। इसे भिगोने के बाद चावलों को पानी में डालकर हल्का सा पका लें। अब एक पतीले में दूध को उबालें और उसमें पके हुए चावलों को डालें।

जब खीर गाढ़ी हो जाए तो गैस धीमी करके गुड़ डालें। सबसे आखिर में इस खीर में इलायची पाउडर और घी में भूने हुए ड्राई फ्रूट्स डालकर सर्व करें। ध्यान रखें कि बिना शक्कर के बनी यह खीर सेहतमंद और स्वादिष्ट होती है।

गुड़ की चिक्की बनाने का सामान

गुड़– 1 कप
तिल – 1 कप
घी – 1 चम्मच

चिक्की बनाने का सामान

गुड़ की चिक्की बनाने के लिए सबसे पहले तिल को साफ करके हल्का भून लें ताकि उसका कड़वा स्वाद कम हो जाए और खुशबू बढ़े।

मूंगफली को भी अच्छी तरह से भूनकर साइड में रख लें। इसके बाद एक कड़ाही में गुड़ और घी डालकर धीमी आंच पर गुड़ पिघलाएं। अब गुड़ के पूरी तरह पिघलने के बाद उसमें भुना हुआ तिल और मूंगफली डालकर जल्दी से मिलाएं। अब इस मिश्रण को तुरंत चिकनी सतह या घी लगी हुई थाली पर डालकर बेलन से पतला बेल लें। ठंडा होने के बाद इसे मनचाहे आकार में काट लें।

विजयदशमी पर कहां करें श्रीराम की आराधना?

इस वर्ष 2 अक्तूबर 2025 को विजयदशमी का पर्व मनाया जा राह है। इस दिन बुराई पर अच्छाई की विजय हुई थी। भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर धर्म और सत्य की रक्षा की थी। इसलिए विजयदशमी को श्रीराम की आराधना का विशेष महत्व है। भारत में कई प्राचीन और प्रसिद्ध श्रीराम मंदिर हैं, जहां दशहरा और नवरात्रि के दिनों में भक्तों का मेला लगता है। ये मंदिर न सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और स्थापत्य धरोहर भी हैं। दशहरा 2025 पर अगर आप धार्मिक यात्रा की योजना बना रहे हैं तो श्रीराम के इन मंदिरों में दर्शन करना आपके जीवन को आध्यात्मिक शांति और पुण्य प्रदान कर सकता है। अयोध्या से लेकर रामेश्वरम तक, भारत के हर कोने में श्रीराम भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। आइए जानते हैं भारत के उन प्रमुख श्रीराम मंदिरों के बारे में, जहां दशहरा पर दर्शन का विशेष महत्व है।

भारत के प्रमुख श्रीराम मंदिर

राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या

उत्तर प्रदेश का अयोध्या जिला भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है। 14 वर्षों के वनवास पर गए अयोध्या के राजा राम ने जब रावण का वध किया तो पूरा अयोध्या उनके स्वागत की तैयारियों में जुट गया। यहां रामजन्म भूमि मंदिर में दशहरा के मौके पर भव्य आयोजन होता है।

रामलीला देखी जाती है और रावण दहन किया जाता है।

श्रीरामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

तमिलनाडु का रामेश्वरम वह पवित्र स्थान है जहां से श्रीराम ने समुद्र पर सेतु बनाकर लंका की ओर प्रस्थान किया था। यह मंदिर हिंदू धर्म के चार धामों में से एक है।

कोदंडरामस्वामी मंदिर, आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश में तिरुपति के पास स्थित यह मंदिर श्रीराम, सीता और लक्ष्मण जी को समर्पित है। विजयदशमी पर यहां विशेष पूजा और भजन संध्या होती है।

कंबकोणम श्रीराम मंदिर, तमिलनाडु

दक्षिण भारत में स्थित कंबकोणम श्रीराम मंदिर अपनी भव्य मूर्तियों और दशहरा उत्सव के लिए प्रसिद्ध है। यहां श्रीराम की पूजा होती है और दशहरा पर रावण का दहन किया जाता है।

पंचवटी राम मंदिर, नासिक

महाराष्ट्र के नासिक का पंचवटी स्थान वह जगह है जहां श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने वनवास के समय प्रवास किया था। दशहरा पर यहां हजारों श्रद्धालु आते हैं।

मुख्यमंत्री ने लगाई बुढ़िया माई के दरबार में हाजिरी

गोरखपुर, संवाददाता। शारदीय नवरात्र के आठवें दिन, सप्तमी तिथि के मान में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदिशक्ति मां भगवती की प्रतिनिधि स्वरूपा बुढ़िया माई के दरबार में हाजिरी लगाई। कुसम्ही जंगल स्थित बुढ़िया माई के मंदिर में उन्होंने विधिवत दर्शन–पूजन किया तथा माता से प्रदेशवासियों के कल्याण और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर और यहां स्थित कुंडध्तालाब का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि मंदिर परिसर कुंड के दोनों तरफ श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए सस्पेंशन ब्रिज (झूला पुल) बनवाया जाए। इसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी दीपक मीणा को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। सोमवार को दोपहर बाद सीएम योगी लखनऊ से गोरखपुर आए। गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उनका काफिला सबसे पहले कुसम्ही जंगल स्थित प्राचीन बुढ़िया माई मंदिर पहुंचा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर में बुढ़िया माई का दर्शन करने के बाद माई की प्रतिमा पर पुष्प व अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर विधिविधान से आराधना की, आरती उतारी। बुढ़िया माई का पूजन और लोक कल्याण की मंगलकामना करने के बाद वह बाहर आए। उसके बाद मंदिर परिसर और यहां स्थित नैसर्गिक कुंडध्तालाब का अवलोकन करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया इस कुंड की सफाई कराने के साथ यहां एक सस्पेंशन ब्रिज (झूला पुल) बनवाया जाए ताकि कुंड के उस पार भी स्थित बुढ़िया माई के मंदिर तक आने–जाने के लिए श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।

अभी श्रद्धालुओं को नाव से उस पार जाना–आना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि घने जंगल में स्थित बुढ़िया माई का मंदिर पूर्वी उत्तर प्रदेश में लोक आस्था का बड़ा केंद्र है।

लंबे समय तक उपेक्षित रहे इस मंदिर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर न केवल रोड कनेक्टिविटी से आच्छादित किया गया बल्कि परिसर का सुंदरीकरण कराकर श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। मुख्यमंत्री के बुढ़िया माई मंदिर आगमन पर उनके साथ विधायक महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, काशी से आए जगद्गुरु स्वामी संतोषाचार्य उर्फ सतुआ बाबा, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, चरगांवा की ब्लॉक प्रमुख वंदना सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि रणविजय सिंह मुन्ना, जीडीए बोर्ड के सदस्य दुर्गेश बजाज, पिपराइच के पूर्व ब्लॉक प्रमुख आनंद शाही समेत कई लोग उपस्थित रहे।

बाल श्रद्धालुओं से मिले मुख्यमंत्री, दुलारकर दिया चॉकलेट

बुढ़िया माई मंदिर में दर्शन पूजन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर में परिजनों के साथ माता का दर्शन करने आए बाल श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से आत्मीयता से बातचीत की और खूब दुलारकर उन्हें अपने हाथों से चॉकलेट दिया। मुख्यमंत्री का स्नेहिल सानिध्य पाकर बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं था। इस दौरान अन्य श्रद्धालुओं ने जयकारा लगाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

छेड़खानी की शिकायत की जांच करने पहुंची पुलिस पर पथराव

गोरखपुर, संवाददाता। चौरीचौरा क्षेत्र के सरैया ब्लॉक रोड पर रविवार शाम छेड़खानी की शिकायत की जांच करने पहुंची पुलिस पर मनबढ़ युवकों ने पथराव कर दिया। इसमें हलका दरोगा शिवकुमार यादव का सिर फट गया। एसआई प्रमोद यादव को चोटें आईं। पथराव में पुलिस की गाड़ी और राहगीर ब्लॉक कर्मी उर्मिला यादव की स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर सीओ अनुराग सिंह, प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने छह आरोपियों को हिरासत में लिया है। इलाके में फोर्स तैनात कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, सरैया ब्लॉक रोड निवासी एक परिवार की युवती ने आरोप लगाया कि आसपास के कुछ युवक उससे छेड़खानी करते हैं। शनिवार रात उसकी मां काम से बाहर गई थीं। तभी युवकों ने घर के सामने पटाखे छोड़े और गेट पीटकर डराने की कोशिश की। रविवार सुबह मां के लौटने पर युवती ने घटना की जानकारी दी और थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की जांच के लिए एसआई शिवकुमार यादव व प्रमोद यादव मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पुलिस ने एक आरोपी युवक को पकड़कर थाने भेज दिया। इसके बाद आरोपियों के परिजन इकट्ठा हो गए और पीड़िता के घर पर पथराव कर दिया। इस पर दोबारा दोनों दरोगा पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर पथराव कर दिया। इसमें एसआई शिवकुमार का सिर फट गया और प्रमोद यादव की गर्दन पर चोटें आईं।

हमलावरों ने दरोगा की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त कर दी। इसी दौरान उधर से गुजर रहीं ब्लॉक कर्मी उर्मिला यादव की स्कूटी भी पथराव में क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर सीओ अनुराग सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचे। इस बीच आरोपी भाग गए थे। सीओ ने पीड़ित परिवार से जानकारी ली। उन्होंने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने का निर्देश दिए हैं। एक महिला की तहरीर पर पुलिस जांच के लिए गई थी। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने पर तलब किया। इसी दौरान विपक्षी की ओर से पीड़िता के घर पर पथराव शुरू कर दिया गया। इस दौरान बीचबचाव में हलका दरोगा चोटिल हो गए हैं।

गांव में धर्म परिवर्तन को लेकर विवाद

गोरखपुर, संवाददाता। भगौरा गांव में रविवार को कुछ लोगों के ईसाई धर्म अपनाने की कोशिश विवाद का कारण बन गया। सूचना मिलने पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और विरोध जताया, जिससे वहां विवाद उत्पन्न हो गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। विहिप के जिला उपाध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने बताया कि सहजनवां थाना क्षेत्र के भगौरा गांव में चार से पांच लोग करीब सौ ग्रामीणों का धर्म परिवर्तन करा रहे थे। ये लोग प्रलोभन देकर ग्रामीणों को हिंदू से ईसाई धर्म में परिवर्तित कर रहे थे। जब संगठन के लोग विरोध करने पहुंचे, तो धर्म परिवर्तन कराने वालों ने गाली–गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। सूचना पर पीआरवी पुलिस और थाने की टीम मौके पर पहुंची। महिला समेत चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसओ महेश चौबे ने कहा कि जांच अभी जारी है और प्रारंभिक पूछताछ में कुछ प्रार्थना संबंधी बातें सामने आई हैं।

तेंदुए को हुआ ट्राइग्लिसराइड और थायराइड, मैलानी की आंखों में भी संक्रमण

गोरखपुर, संवाददाता। चिड़ियाघर के पशु अस्पताल में रह रहा तेंदुआ गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहा है। बलरामपुर के सुहेलवा से रेस्क्यू कर लाए गए 14 वर्षीय इस तेंदुए में हाल ही में शरीर में सूजन देखने को मिली, जिसके बाद चिकित्सकों ने खून की जांच कराई। जांच रिपोर्ट में ट्राइग्लिसराइड, थायराइड और सामान्य से कई गुना अधिक कोलेस्ट्राल की पुष्टि हुई है। चिड़ियाघर के उप निदेशक और मुख्य पशु चिकित्सक डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि तेंदुए का उपचार चल रहा है और वह सामान्य भोजन और पानी ले रहा है। हालांकि, उसके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है। तेंदुए को बलरामपुर के सुहेलवा से रेस्क्यू कर चिड़ियाघर लाया गया था।

गंगा जोन को 39 रनों से हरा कर राजगढ़ बना विजेता

मिर्जापुर, संवाददाता। 69वीं जनपदीय अंडर–17 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन मिनी स्टेडियम चुनार में शुक्रवार को जनता इंटर कॉलेज बरगवा कुबा के आयोजन में हुआ। फाइनल मुकाबले में राजगढ़ की टीम ने गंगा जोन को 39 रनों से पराजित कर चौंपियन बना। इसमें राजगढ़ टीम के विकास यादव को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के साथ नाबाद 33 रन और दो विकेट लेने पर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। फाइनल मुकाबले में राजगढ़ टीम के कैप्टन पंकज पाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम के लिए शानदार पाली खेलने वाले विकास पाल के नाबाद 33 रनों की बदौलत 12 ओवरों में 6 विकेट खोकर 111 रन बनाए। रनों का पीछा करने उतरी गंगा जोन की टीम के खिलाड़ियों की शुरुआत अच्छी रही। टीम 12वें ओवर में 72 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इसके पहले सेमी फाइनल मुकाबले में राजगढ़ की टीम ने अदलहाट क्षेत्र को 7 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में गंगा जोन ने नगर जोन को 20 रनों से पराजित कर फाइनल में पहुंचा था। आयोजक प्रधानाचार्य संजय सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान मंडलीय क्रीड़ा सचिव राजवन पटेल, रूपेश सिंह सहित शिक्षक और खिलाड़ी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

बुझ गया घर का इकलौता चिराग

भदोही, संवाददाता। भदोही जिले की कोतवाली क्षेत्र के रामपुर गंगा घाट पर 10 वर्षीय किशोर अनमोल की गंगा में डूबने से मौत हो गई। वह परिजनों के साथ घाट पर स्नान करने गया था। वह घर का इकलौता चिराग था। किशोर की मौत से परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

कैसे हुआ हादसा

कोतवाली के भगवतपुर गांव निवासी बाबा प्रधान का भांजा अनमोल पुत्र भाई लाल बिंद अपने छोटे मामा के साथ गंगा स्नान करने रामपुर गंगा घाट गया था। स्नान करते समय वह गहरे पानी में चला गया। आनन–फानन मामा समेत अन्य घाट पर मौजूद लोगों ने किशोर को पानी से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अनमोल मूल रूप से देवनाथपुर से सटे समही गांव का रहने वाला है। रविवार को ही ननिहाल आया था। वह तीन बेटियों के बाद काफी मनौती के बाद इकलौता पुत्र हुआ था। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों पर गम का पहाड़ टूट गया। परिजन शव अपने साथ घर ले गए।

सड़क पार करते समय चालक की ट्रक की चपेट में आने से मौत

मिर्जापुर, संवाददाता। समसपुर गांव के सामने रविवार की सुबह गैलन में डीजल लेकर सड़क पार कर रहे चालक शिवपाल बिंद (48) की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई है। मध्य प्रदेश के ताला मैहर थाना क्षेत्र के विदुही खुर्द निवासी ट्रक चालक शिवपाल बिंद सतना से ट्रक पर सीमेंट लादकर वाराणसी के हरहुआ बाजार जा रहा था। सुबह साढ़े सात बजे समसपुर गांव के पहले ट्रक का डीजल खत्म हो गया। वह गैलन लेकर समसपुर स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचा। वहां से डीजल लेकर वापस आ रहा था कि सामने से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दिया। पेट्रोल पंप कर्मियों ने पीछा करके ट्रक और चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना पुलिस ने परिजनों को दी। मृतक के भांजे ज्ञानेंद्र ने पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को तहरीर दी। इसके बाद पुलिस कार्रवाई में जुटी है। मृतक को दो पुत्र और एक पुत्री हैं। एक पुत्र और पुत्री का विवाह हो चुका है। कोतवाल विजय शंकर सिंह ने बताया कि ट्रक की टक्कर से दूसरे ट्रक चालक की मौत हो गई है।

साले की आंख का इलाज कराकर लौट रहे जीजा की हादसे में मौत

भदोही, संवाददाता। उसरहवा गांव के पास रविवार की दोपहर अज्ञात वाहन के टक्कर से बाइक सवार कुश कुमार (30) की मौत हो गई। पसैया डगमगपुर के लक्ष्मणपुर गांव निवासी कुश कुमार अपने साले प्रद्युम्न निवासी चुनार के नुनौटी के आंख का इलाज कराने लोहंदी गए थे। वहां से डॉक्टर को दिखाकर घर लौट रहे थे। साले प्रद्युम्न को डगमगपुर चौराहे पर छोड़ने के बाद घर लौटते समय ऊसरहवा गांव के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। इससे कुश गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने पीएचसी पड़री भेजा।

संक्षिप्त खबरें

केबीपीजी कॉलेज में प्रवेश 29 को

मिर्जापुर, संवाददाता। केबीपीजी कॉलेज में बीए व बीएससी प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर (बायो व मैथ) में प्रवेश के लिए शनिवार को तीसरी वरीयता सूची जारी कर दी गई है। प्रवेश 29 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2रू 30 बजे तक होगा। इसमें पुराने व नए आवेदक शामिल हैं। बीए प्रथम वर्ष में सभी वर्गों के नए व पुराने सभी आवेदक अर्ह हैं। बीएससी मैथ में सभी वर्ग के सभी नए व पुराने फार्म के आवेदक अर्ह हैं। बीएससी बायो प्रथम वर्ष में सामान्य वर्ग में 358 से 352 अंक तक के नए व पुराने फॉर्म के आवेदक अर्ह हैं। पिछड़ा वर्ग में 349 से लेकर 346 अंक तक के नए व पुराने फार्म के आवेदक अर्ह हैं। इसी प्रकार अनुसूचित जाति व जनजाति के 307 से 284 अंक तक के नए व पुराने आवेदक अर्ह हैं। प्राचार्य प्रो.जीएस द्विवेदी ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदकों को हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के अंकपत्र व प्रमाणपत्र की मूल प्रति, स्थानांतरण प्रमाणपत्र की मूल प्रति, आरक्षण या अधिभार से संबंधित प्रमाणपत्र की मूल प्रति, ईडब्लूएस प्रमाणपत्र की मूल प्रति के साथ दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ लाना अनिवार्य है। कहा कि केंद्रीय शिक्षा बोर्ड से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को माइग्रेशन प्रमाणपत्र मूल रुप में लाना आवश्यक है। दिव्यांग वर्ग के प्रवेशार्थी को सीएमओ से जारी दिव्यांगता प्रमाणपत्र मूल रुप में लाना आवश्यक है। कहा कि प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण कराकर आईडी एसआरएन नंबर का प्रिंट आउट लेकर आना अनिवार्य है।

रामलीला देखने गए युवक पर चाकू से हमला

मिर्जापुर, संवाददाता। विंध्याचल थाना क्षेत्र के सिकरा कला गांव में शनिवार की देर रात को रामलीला देखने गए प्रभेंद्र कुमार बिंद (21) को गांव निवासी एक युवक ने चाकू से मारकर लहुलूहान कर दिया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घायल युवक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पिता पवन कुमार बिंद ने बताया कि पुत्र प्रभेंद्र कुमार बिंद शनिवार की देर रात साढ़े 10 बजे गांव में हो रही रामलीला देखने गया था। रामलीला देखते समय चाउमिन खा रहा था। इस दौरान रास्ते से गुजर रहे गांव निवासी आजाद पाठक से उसका हाथ छू गया। इस पर आजाद पाठक गाली देने लगा। मना करने पर उसने चाकू निकालकर पुत्र के पेट में मारना चाहा। पुत्र ने चाकू का वार रोकने की कोशिश की तो उसका हाथ कट गया। इसके बाद आजाद ने उसके गर्दन पर चाकू मारा। आसपास के लोग जब पहुंचे तो आजाद वहां से भाग गया। लहूलुहान पुत्र को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद विंध्याचल पुलिस को सूचना दी गई। थानाध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय ने बताया कि चाकू का निशान नहीं लग रहा है। घायल के पिता की तहरीर पर आरोपी आजाद पाठक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

घरों में नहीं टपक रही बूंद, सड़क पर हो रही पानी की बर्बादी

पीलीभीत, संवाददाता। शहर में कई स्थानों पर पेयजल आपूर्ति में लीकेज से सड़कें पानी से लबालब हो रही हैं। दूसरी ओर कुछ मोहल्लों में घरों की टंकियां सूखी हैं। नगर पालिका के जलकल विभाग के जिम्मेदार कागजों में पानी दौड़ा रहे हैं। लीकेज सुधार पर शिकायतों के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जगह–जगह लीकेज से सड़कें भी खराब हो रही हैं। गड्ढे बढ़ रहे हैं और कीचड़ की समस्या भी हो रही है। नगर पालिका क्षेत्र में 18 पंप हाउस से शहर के घरों में जलापूर्ति की व्यवस्था है। अधिकतर पंप हाउस और शहर में जलापूर्ति के लिए डाली गई पाइपलाइन काफी पुरानी होने के चलते आए दिन खराब हो जाती है। ऊर्जा निगम की ओर से कराए जा रहे काम की वजह से आए दिन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त भी हो रही है। पानी सड़कों पर बहता रहता है। शहर के दूधिया मंदिर रोड पर सड़क के किनारे पाइप लाइन फट गई। दो दिन बाद काम शुरू हुआ लेकिन बिना कार्य दुरुस्त करे ही गड्ढा भर दिया गया। शहर के मोहल्ला सुनगढ़ी में भी पाइप लाइन लीकेज से गली में पानी बह रहा है। लीकेज दुरुस्त करने का दावा तो किया गया लेकिन पानी अब तक बह रहा है। गड्ढे में मिट्टी भर कर छोड़ दी गई। इससे गली में कीचड़ हो गया है। मोहल्ला खकरा में नालियों की पाइप लाइन फटने से मंदिर और गलियों के मकान में पानी नहीं आ रहा है। लोगों ने शिकायत की। जलकल विभाग ने अनसुना कर दिया।

पंजाबियान की सड़क पर 10 दिन से बह रहा पानी

मोहल्ला पंजाबियान में ऊर्जा निगम के काम के समय पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। आपूर्ति चालू होते ही पानी सड़क पर बहने लगता है। 10 दिन बीतने के बाद भी नगरपालिका ने लीकेज की समस्या का समाधान नहीं कराया। शिकायत पर भी ध्यान नहीं दिया। लीकेज की वजह से घरों में पहुंचने वाले पानी की धार धीमी हो गई है।

पंप हाउस के बाहर ही सालों से लीकेज

शहर के मोहल्ला तखान में गुरुद्वारा नलकूप–41 सालों से संचालित हो रहा है। यहां सैकड़ों घरों में जलापूर्ति करता है। सालों से पंप हाउस की मोटर चालू होने से पानी निकलता है। उसकी गली में पाइप लाइन फटी है। पानी सड़क पर बहता रहता है। रोजाना हजारों लीटर पानी बर्बाद होता है। जलकल के जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बुजकसावान में पांच साल से घरों की टंकी सूखी

शहर के मोहल्ला बुजकसावान में हनुमान मंदिर के पीछे नाले वाली गली में लगभग चार से पांच साल पहले खुदाई कर पाइप लाइन डाली गई। तब से अब तक गली की टंकियों में पानी नहीं आया। लोग अपने घरों में नल लगवाकर काम चला रहे हैं। कई बार शिकायत की लेकिन जिम्मेदार संज्ञान लेने को तैयार ही नहीं हैं।

पुरानी हो गई मशीनरी, अनदेखी कर रहे जिम्मेदार

नगर पालिका क्षेत्र में 17 से 18 पंप हाउस दशकों से संचालित हो रहे हैं। इसकी मशीनरी अब काफी पुरानी हो गई है लेकिन नगर पालिका व जलकल विभाग के जिम्मेदार इस ओर कोई ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। यह आए दिन जलापूर्ति बाधा का कारण बनता है। पांच साल पहले पाइप लाइन डाली गई लेकिन तब से मोहल्ले में पानी नहीं आया। काफी परेशानी होती है। मोहल्ला बुजकसावान में जो भी जलापूर्ति की समस्या आ रही है। उसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। निरीक्षण भी किया गया है जहां भी पानी लीकेज की समस्या है, उसे दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईवे पर रोडवेज बस और कार की टक्कर

पीलीभीत, संवाददाता। पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र में असम हाईवे पर सोमवार तड़के करीब 3:30 बजे रोडवेज बस और कार की टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार लखनऊ के थाना काकोरी के गांव कटिहर निवासी अभिषेक यादव (28 वर्ष) की मौत हो गई। हादसे में चार अन्य युवक गंभीर घायल हुए। घायलों को सीएचसी पूरनपुर से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। असम हाईवे पर पूरनपुर से करीब पांच किमी दूरी पर मोड़ के पास सोमवार तड़के लखनऊ से पूर्णागिरि जा रहे युवकों की कार सामने से आ रही रोडवेज बस से टकरा गई। कार में लखनऊ निवासी अभिषेक यादव, थाना बिजनौर के नजमाबाद निवासी सागर यादव, रहीमाबाद निवासी शिवम यादव, गोसाईगंज निवासी अनीस सिंह यादव, रहीमाबाद लखनऊ के सचिन सवार थे। हादसे में अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य सभी युवक गंभीर घायल हो गए।

हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को आननफानन सीएचसी पूरनपुर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मृतक और घायलों के परिजनों को सूचना दे दी है।

हाईवे किनारे नहीं डाला जाएगा ग्राम पंचायत का कचरा

पीलीभीत, संवाददाता। ग्राम पंचायत से निकलने वाला कचरा अब हाईवे के किनारे नहीं डाला जाएगा। ऐसा करने पर संबंधित प्रधान व सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएम की ओर से पत्र जारी होने के बाद पंचायत विभाग अफसर निरीक्षण कर इसकी निगरानी करेंगे। ग्राम पंचायतों में साफ–सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराए जाने के लिए अफसरों की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बाद भी व्यवस्थाएं सुधर नहीं रही हैं। निरीक्षण के दौरान भी ग्राम पंचायतों में लापरवाही सामने आ रही है। अब हाईवे के किनारे डाले जाने वाले कचरे को लेकर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की ओर से जिले में सख्ती बरती गई है। जिले में कुल 720 ग्राम पंचायतें है। इनमें करीब दो सौ से अधिक ऐसी ग्राम पंचायत हैं जो अलग–अलग हाईवे के किनारे पर बसी हैं। सफाई कर्मचारी साफ–सफाई के बाद कचरे को हाईवे किनारे फेंक रहे हैं। इससे हाईवे से गुजरने वाले लोग भी प्रभावित हो रहे है। अब हाईवे किनारे कचरा डाले जाने पर संबंधित प्रधान व सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अफसरों ने इसको लेकर कवायद शुरू कर दी है। जिले की उन पंचायतों को चिह्नित किया जा रहा है जो हाईवे के किनारे हैं। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि डीएम स्तर से पत्र जारी हुआ है। इसको लेकर कार्य शुरू कर दिया है।

मौलाना तौकीर के करीबी की मार्केट सील

बरेली, संवाददाता। बरेली में बवाल कराने के आरोपी आरोपी मौलाना तौकीर रजा खान फिलहाल जेल में हैं। वहीं उनके करीबी आईएमसी के पूर्व प्रवक्ता डॉ. नफीस और पूर्व जिला अध्यक्ष नदीम खां पर भी जिला और पुलिस प्रशासन ने शिकंजा कस दिया है। नगर निगम ने सोमवार को नावल्टी चौराहे स्थित डॉ. नफीस की मार्केट को सील कर दिया है।

नफीस ने बवाल से पहले पुलिस के हाथ काटने और वर्दी उतरवाने की धमकी दी थी। शहर के नावल्टी चौराहे पर पहलवान साहब के मजार के पास स्थित नफीस की मार्केट पहले से ही विवादित है। मार्केट नाले पर बनी होने का मामला कोर्ट में चल रहा है, जिस पर स्टे है।

48 दुकानों के साथ आईएमसी का दफ्तर भी सील

नावल्टी स्थित मार्केट में 48 दुकानों के साथ मौलाना तौकीर रजा की पार्टी आईएमसी (इत्तेहाद–ए–मिल्लत कौंसिल) का दफ्तर भी है, जो दूसरे फ्लोर पर है। दुकानों के साथ आईएमसी का दफ्तर भी सील किया है। डॉ. नफीस मौलाना तौकीर का दाहिना हाथ बताया जाता है। वह खुद को वक्फ की बोर्ड संपत्ति का मुतवल्ली (संपत्ति की देखरेख करने वाले) बताकर किराये की वसूली करता है।

वक्फ की संपत्ति की खरीद फरोख्त के भी मामले

डॉ. नफीस पर वक्फ की संपत्ति के साथ उसकी खरीद फरोख्त के भी आरोप लग चुके हैं। नौमहला मस्जिद के पास वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर बनाई गई दुकानों को भी बेचने के मामले ने तूल पकड़ा था। हालांकि दबाव में आकर मामले को रफा दफा कर दिया गया। इस पूरे प्रकरण डॉ. नफीस पर उसके बिगड़ैल बोल अब भारी पड़ते जा रहे हैं।

हाथ पैर काटने की धमकी दी थी धमकी

डॉ. नफीस ने आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर उतारने पर किला इंस्पेक्टर को हाथ पैर काटने और वर्दी उतारने की धमकी दी थी। उसका वीडियो भी वायरल हुआ था। वीडियो में वह कहा रहा है कि मैंने किला इंस्पेक्टर से साफ कह दिया कि बैनर पर हाथ लगाया तो हाथ काट लूंगा। वर्दियां नहीं बचेगी। इस वीडियो के वायरल होने पर किला थाने में नफीस के खिलाफ रिपोर्ट लिखी है।

एयरटेल बिजनेस ने स्विफ्ट नेविगेशन के साथ की साझेदारी करते हुए भारत का पहला नेक्स्ट-जेन स्थानिक परिशुद्धता सोल्यूशन लॉन्च किया है, जो सेंटीमीटर-लेवल तक सटीक लोकेशन बताएगा

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। एयरटेल बिजनेस ने सटीक–लोकेशन तकनीक की अग्रणी कंपनी स्विफ्ट नेविगेशन के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इसके तहत भारत की पहली एआईध एमएल–संचालित, क्लाउड–आध ाारित लोकेशन सेवा दृ एयरटेल–स्काईलार्कन्र प्रीसाइज पोजिशनिंग सर्विस लॉन्च की जा रही है। यह सेवा सामान्य जीएनएसएस (ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम) की तुलना में सटीकता को 100 गुना तक बेहतर बनाएगी। एयरटेल बिजनेस और स्विफ्ट नेविगेशन की यह विशेष साझेदारी, एयरटेल–स्काईलार्कन्र को एयरटेल के पूरे भारत में फैले मजबूत 4जीध्5जी नेटवर्क से जोड़कर पेश करेगी। इससे एक विश्वसनीय और आसानी से उपलब्ध सेंटीमीटर–लेवल की सटीक लोकेशन सेवा मिलेगी, जिसका उपयोग बड़े पैमाने पर जरूरी और लोकेशन–आधारित कामों के लिए किया जा सकेगा। कई उद्योग इस सटीक सेवा से फायदा उठा सकेंगे, जैसे टोल वसूली, इमरजेंसी सेवाएँ, डिजिटल नक्शे, निर्माण काम, बिजली–पानी जैसी सुविधाएँ, गाड़ियों का प्रबंधन और खुद चलने वाली गाड़ियाँ। यह सेवा भारत के शहरों और गाँवों में नए बदलाव, बेहतर कामकाज और तेज गति से सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी। शरत सिन्हा, डायरेक्टर एवं सीईओ दृ एयरटेल बिजनेस, ने कहारू "हमारे देश में जहाँ जटिल गलियां और रास्ते हैं, वहाँ हर सेंटीमीटर सटीक लोकेशन या पते को पहचानने में बहुत फर्क पड़ता है, खासकर आपातकालीन सेवाओं के लिए। स्विफ्ट नेविगेशन के साथ साझेदारी करके हमें गर्व है कि हम भारत की पहली क्लाउड–आधारित, एआईध एमएल–संचालित जीएनएसएस करेक्शन्स सर्विस लॉन्च कर रहे हैं, जो सेंटीमीटर–लेवल की सटीकता प्रदान करेगी। यह क्रांतिकारी तकनीक न केवल आपातकालीन सेवाओं को बदल देगी बल्कि औद्योगिक उपयोगों के लिए नए मानक स्थापित करेगी, और साथ ही स्वचालित गाड़ियाँ और सैटेलाइट–आधारित टोल वसूली जैसे नए समाधानों में भी तेजी लाएगी।" होल्गर इप्पाच, ईवीपी ऑफ प्रोडक्ट एंड मार्केटिंग दृ स्विफ्ट नेविगेशन, ने कहारू ष्हम एयरटेल के साथ मिलकर स्काईलार्क को भारत में लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। एयरटेल की मजबूत आईओटी सेवाओं और समाधानों के साथ हम देशभर के व्यवसायों और डेवलपर्स को आसानी से सटीक लोकेशन तकनीक अपनाने में मदद कर रहे हैं, ताकि कामकाज ज्यादा स्वचालित और आधुनिक हो सके।ष

एयरटेल–स्काईलार्कन्र प्रीसाइज पोजिशनिंग सर्विस से मिलने वाले बड़े फायदे

ऑटोमोटिव और ट्रांसपोर्टेशनरू एडवांस्ड ड्राइवर–असिस्टेंस सिस्टम्स (एडीएएस) और पूरी तरह से ऑटोमेटिक गाड़ियों को और बेहतर बनाना, ताकि सड़कें ज़्यादा सुरक्षित हों और ट्रैफिक आसानी से चले।

मोबाइल और उपभोक्ता एप्लीकेशंसरू नेविगेशन, टैक्सी बुकिंग और फिटनेस ऐप्स को और बेहतर बनाना, जहाँ आपको बिल्कुल सही रास्ता, सही पिकअप पॉइंट और स्मार्टफोनध्वॉच पर भरोसेमंद ट्रैकिंग मिले।

मार्ट टोलिंग–बिना रुकावट और बिना गेटध्कैमरे के टोल वसूली करना, जिससे सफर आसान और तेज हो।

विभिन्न मांगों को लेकर मौलिक अधिकार पार्टी के पदाधिकारियों ने सौपां ज्ञापन

अयोध्या।मंगलवार को मौलिक अधिकार पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव कंचन यादव ने विभिन्न मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौपा।ज्ञापन मे अतिपिछड़े वर्गो का पृथक आरक्षण जैसे गरीब सवर्णों को बिना किसी कमेटी की संस्तुति बिना किसी आयोग की रिपोर्ट, के एक दिन में लोकसभा, दूसरे दिन राज्यसभा से, बिल पास कराकर तीसरे दिन राष्ट्रपति से हस्ताक्षर कराकर जनसख्या के अनुपात में 10: आरक्षण ले लिया। वैसे 40. 50: अतिपिछड़े वर्गों (हिन्दू अतिपिछड़े 32.50: और पिछड़ा मुसलमान पसमांदाकौम 08.50:) को भी इनकी जनसंख्या के अनुपात में राजनीति, नौकरी शिक्षा में आरक्षण दिया जाय क्योंकि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनो इन्हें नमक की भाँति दाल का स्वाद बनाये रखने तक सीमित रखना चाहते है।सम्पूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण मुफ्त संविधान के भाग चार अनु० 36 से 5 में सरकार की ड्यूटी के अन्तर्गत आता है जिसका आज बाजारीकरण हो गया है इसलिए शिक्षा का राष्ट्रीयकरण हो।उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि सबको अनिवार्य छात्रवृत्ति मिलें। प्राथमिक विद्यालय बन्द न हो।अध्यापकों और शिक्षा अधिकारियों की जबावदेही तय की जाय।शिक्षा सत्र मूर्ख दिवस अप्रैल के बजाय जुलाई किया जाय। प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, स्वदेशी–विदेशी विश्वविद्यालय शिक्षा, प्रतियोगिता परीक्षा बोर्ड, राज्य स्तर पर बनाया जाय। तभी योग्यता की समरूपत्ता का आकलन होगा। मान्यता एवं अनुदान एक साथ मिलें।सम्पूर्ण चिकित्सा एवं प्रशिक्षण मुफ्त संविधान के भाग चार सरकार की ड्यूटी के अन्तर्गत है। जरा सी देरी एवं लापरवाही में मौत हो जाती है। इसलिए डॉक्टरो की जबावदेही तय की जाय। सरकारी डाक्टरों के प्राइवेट प्रेक्टिस को दण्डनीय अपराध घोषित किया जाय। पढ़ने वाले डाक्टरो की सीट सीमा खत्म हो। प्राइवेट अस्पताल को मान्यता एवं अनुदान एक साथ दिया जाय। प्राइवेट जाँच एवं दवाओ के दाम सरकार तय करे।

संक्षिप्त खबरें

बच्चों को किताबों के साथ सामजिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान कराना अति आवश्यक-आशीष सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मंगलवार को भगत सिंह जूनियर हाई स्कूल गौसगंज में 45वां वार्षिकोत्सव मुख्य अतिथि मा0 विधायक बिलग्राम–मल्लावां आशीष सिंह आशू की उपस्थित में मनाया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक ने कहा बच्चों के उज्जवल भविष्य बनाने में विद्यालय प्रबन्धन एवं शिक्षकों का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होने कहा कि विद्यालय के बच्चों को किताबों के साथ सामजिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान कराना अति आवश्यक है। विद्यालय वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये तथा खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अच्छा कार्य करने वाले शिक्षक एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सुशीला देवी एवं उनके पुत्र अंशुल कनौजिया, अभिनव कनौजिया, कुमार मानव प्रध ाानाचार्य, शिक्षक एवं अभिभावक एवं बच्चे आदि उपस्थित रहें।

श्री प्रेम रावत जी को डी लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज हैदराबाद के तेलंगाना स्थित डाक्टर भीमराव आंबेडकर ओपेन यूनिवर्सिटी ने 'श्री प्रेम रावत जीष् को डी लिट की मानद उपाधि ा से सम्मानित किया। मिस्टर प्रेम रावत विश्व शांति शिक्षा कार्यक्रम के संस्थापक हैं और उन्हें विश्व शांति की दूत की पदवी भी प्रदान की जा चुकी है उनका संदेश है कि मनुष्य को जिस सुख और शांति की आवश्यकता है वह उसके हृदय में स्थित है श्री प्रेम रावत का पूरे विश्व में शांति संभव है विषय पर संदेश भी आता है बेहद सरल तरीके से लोगों के बीच शांति का संदेश रखने वाले मिस्टर प्रेम रावत के विश्व में करोड़ों अनुयाई है तथा वह टाइम लेस टुडे, द प्रेम रावत फाउंडेशन और डब्लू ओ पी जी मानवता वादी संस्थाओं के संस्थापक भी हैं। श्री प्रेम रावत जी को विशेष उपाधि प्रदानकिए जाने हरदोई के लखनऊ रोड स्थित प्रेम रावत सपोर्ट केंद्र पर उनके अनुयायियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा कराया इस दौरान पीके गुप्ता दीप कुमार सोनी मनोज कुमार गुप्ता अंजली यादव गिरजेश सिंह सुधीर यादव संगीता कश्यप ओमप्रकाश कश्यप आदि सैकड़ो अनुयाई रहे।

'केंद्रीय मंत्री ने दी पूर्व प्रधानाध्यापक (गुरुजी) को श्रद्धांजलि'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' ददरौल क्षेत्र के ग्राम पंचायत इटौरा में आयोजित गुरुजी की तेरहवीं भोज में पहुँचे केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने पूर्व प्रधानाध्यापकध्पूर्व अध्यक्ष शिक्षक संघ, प्रधान संरक्षक, विकास पुरुष स्व0 ठाकुर शिवराज सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। तेरहवीं भोज में सम्मिलित जिले की राजनैतिक पार्टियों एवं सामाजिक संगठनों सहित क्षेत्र के तमाम संभ्रांत नागरिकों के द्वारा गुरुजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि देने वालों का देर रात तक तांता लगा रहा। तेरहवीं भोज के अवसर पर जिले की नामचीन हस्तियों ने शिरकत की और गुरु जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। गुरु जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से ददरौल विध ाायक अरविंद कुमार सिंह,भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष के0सी0 मिश्रा,निजी सचिव जितिन प्रसाद शशिमोहन अग्निहोत्री, सदस्य जिला पंचायत नीरज मिश्रा, शाहजहांपुर की मेयर अर्चना वर्मा के पति राजेश वर्मा,एडवोकेट विश्वदीप अवस्थी, सपा नेता ठाकुर लखन प्रताप सिंह, अध यक्ष जिला सहकारी बैंक डीपीएस राठौर, विनीत मिश्रा, स्व0 जितेंद्र प्रसाद श्बाबा साहबश के अति करीबी शिक्षक महेश मिश्रा, शिक्षक मुनीश मिश्रा, सहित काफी संख्या में जिले व क्षेत्र के गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए।

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या बोध पर शिक्षको ने डाला प्रकाश

अयोध्या। बाल बाटिका प्रशिक्षण में सभी राज्य के शिक्षकों द्वारा बुनियादी साक्षरता एवं संख्या बोध पर प्रोफेसर उषा शर्मा मैं ने विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि साक्षरता का मतलब है की कैसे हम लिख और पढ़ सकते हैं।पठन के पूर्व की डिकोडिंग की स्थिति को भी बहुत ही सारगर्भित तरीके से समझाया।बच्चे शुरुआत में पढ़ने का अभिनय करते हैं और फिर धीरे–धीरे पूरे शब्दों को एक प्रिंट के रूप में पढ़ने का प्रयास करते हैं।वही दूसरा सत्र एनसीईआरटी की प्रोफेसर डॉ रितु ने बाल वाटिका पर विस्तार से चर्चा की उन्होंने की जादुई पिटारा के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ–साथ अर्ली चाइल्ड हुड केयर एंड एजुकेशन पर प्रकाश डालते हुए बाल वाटिका के संदर्भ में सभी तकनीकी समस्याओं को सुलझाने हेतु विस्तार से चर्चा की।बताया कि बाल वाटिका 3 वर्ष से 6 वर्ष में संचालित होता है।डॉक्टर गुलफाम ने हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड पर विस्तार से चर्चा करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दिए गए रूट लर्निंग के अलावा रचनात्मक आकलन पर जोर देते हुए समझकर सीखने पर चर्चा की। बताया कि हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड में पहला स्टेप पर जनरल इनफार्मेशन दूसरे स्टेपपर पर बातचीत की। डॉक्टर आयुष्मान व डाक्टर अंबिकेश त्रिपाठी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिए गए पंचादी और पंचकोश के विषय में विस्तार से बताया उन्होंने बताया कि कैसे हम पंचादी में अदिति से शुरुआत करते हुए दिशा अभ्यास प्रयोग और प्रसार तक पहुंचते हैं पंचकोश को तैतरीय उपनिषद से लिया गया है।उन्होंने अन्नमय कोष , को प्राणमय , मनोमय कोष , में विज्ञानमय कोश और आनंदमय कोष पर वृहद चर्चा की।

संक्षिप्त खबरें

हॉस्पिटल में लगे वॉटर कुलर में करेंट लगने से महिला की मौत

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित ट्यूलिप हार्ट एंड सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मंगलवार को एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। सुइथाकला क्षेत्र के नरीवा गांव की गुड़िया गौड़ (38) अपनी सास लालती गौड़ (70) का इलाज कराने अस्पताल आई थीं। यह घटना तब हुई जब गुड़िया गौड़ अस्पताल में लगे वाटर कूलर से पानी लेने गई थीं। पानी लेते समय उन्हें अचानक करंट लग गया और वह नीचे गिर गईं। परिजनों का आरोप है कि जब गुड़िया को करंट लगा और वह गिरीं, तो उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। हालांकि,

अस्पताल के स्टाफ ने कथित तौर पर उन्हें किसी दूसरे अस्पताल ले जाने को कहा। परिजनों के अनुसार, जब उन्होंने डायल 112 पर फोन करने की बात कही, तब अस्पताल स्टाफ गुड़िया को अंदर ले गया। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने हॉस्पिटल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है और न्याय की मांग किया है। वही इस मामले में अस्पताल के डॉक्टर मोहसिन ने इस घटना को एक हादसा बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह घटना कैसे हुई, क्योंकि इससे पहले भी कई लोग उसी वाटर कूलर से पानी पी चुके थे।

मिशन शक्ति5.0 के तहत छात्राओं ने किया बैंक का भ्रमण'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' कस्बा पाली में मिशन शक्ति 5.0 विशेष अभियान के तहत सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश के अनुपालन एवं प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी के दिशा निर्देशन में छात्राओं ने उत्तरप्रदेश ग्रामीण बैंक की स्थानीय शाखा का भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें बैंक से रुपये निकालने और जमा करने संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। छात्राओं को बैंक में रुपये जमा करने और निकालने के लिए फॉर्म भरने का तरीका सिखाया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि छात्राओं को बैंक भ्रमण कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को वित्तीय संबंधी जानकारी प्रदान करना और उन्हें बैंकिंग प्रणाली से परिचित कराना था। इस कार्यक्रम में बैंक के कर्मचारियों और विद्यालय स्टॉफ के साथ काफी संख्या में छात्राएं शामिल हुई। मौके पर शक्ति मंच की समन्वयक शिक्षिका अंजिमा, मंच के प्रभारी संजय रस्तोगी व जनार्दन श्रीवास्तव, के अतिरिक्त बैंक कर्मचारियों में सहायक प्रबन्धक अनुज सिंह राठौर,अभिषेक कुमार, लोकेन्द्र कुमार,खजांची सुरेन्द्र मौजूद रहे।

बड़ी देवकली सहित कई मंदिरों पर जाकर महिला थाना पुलिस ने महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

अयोध्या।मंगलवार को दोपहर मिशन शक्ति फेस – 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौध ारी के निर्देश पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम ने कोतवाली नगर क्षेत्र मे दुर्गा पंडालों, मंदिरों पर जाकर वहां पर मौजूद महिलाओं व बालिकाओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बैनरवा पंपलेट के साथ–साथ पोस्टर के माध्यम से बताया।उन्होंने बड़ी देवकली मंदिर के अलावा अन्य प्रमुख मंदिरों पर जाकर बैनर, पंपलेट व पोस्टर के माध्यम से वहां पर देवी देवताओं की दर्शन पूजन करने आने वाली महिलाओं व बालिकाओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधि ात अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।इस मौके पर महिला उप निरीक्षक सोनी, महिला छाया भदौरिया,जयश्री सहित महिला थाने की पुलिसकर्मी शामिल रहीं।

स्विगी ने इस त्योहार के सीजन में फूड ऑन ट्रेन के लिए लॉन्च किए नए फीचर्स

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)। स्विगी, भारत का प्रमुख ऑन–डिमांड कन्वीनियंस प्लेटफॉर्म, ने आज अपने फूड ऑन ट्रेन सेवा के लिए कई नए फीचर्स की घोषणा की। त्योहारों के मौसम के अवसर पर, स्विग्गी ने स्मार्ट और अधिक व्यक्तिगत मेन्यू विकल्प लॉन्च किए हैं, जो भारत भर में लाखों ट्रेन यात्रियों के लिए एक रोमांचक नया खानपान अनुभव लेकर आए हैं। यात्री सिटी बेस्ट डिशेज में से चुन सकते हैं, जो विभिन्न स्टेशनों के प्रतिष्ठित और लोकप्रिय खाने की जगहों की क्यूरेटेड सूची है इसके अलावा, स्विगी ने इजी ईट्स भी लॉन्च किया है, जो ट्रेन में आरामदायक और परेशानी मुक्त भोजन अनुभव सुनिश्चित करता है। स्विगी के इजी ईट्स विकल्प विशेष रूप से ट्रेन में चलते–फिरते खाने के लिए चुने गए हैं, हेल्दी निबल्स जैसे सलाद से लेकर मजेदार मन्चीज जैसे फ्राइज और नाचोज तक, ये सभी भोजन सुविधाजनक पैकेजिंग में आते हैं और कटलरी किट के साथ उपलब्ध हैं। त्योहारों के सीजन में लॉन्च किए गए नए फीचर्स पर टिप्पणी करते हुए, स्विगी के वाईस प्रेसीडेंट फूड स्ट्रैटेजी, कस्टमर एक्सपीरियंस और न्यू इनिशिएटिव्स, श्री दीपक मालू ने कहा हमने अपने ग्राहकों की इच्छाओं को सुना है, और हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने स्मार्ट और अधिक व्यक्तिगत भोजन विकल्प पेश किए हैं, जो हर यात्रा को स्वादिष्ट, सुविधाजनक और वास्तव में खास बनाते हैं। सिटी बेस्ट के माध यम से हमने ऑर्डर करने में होने वाले अनुमान को खत्म कर दिया है, ताकि यात्री आसानी से भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाले भोजन विकल्प चुन सकें, जो रेस्तरां पार्टनर्स द्वारा अपने शानदार भोजन, स्वच्छता और उदार सर्विंग के लिए प्रसिद्ध हैं। इसी तरह, इजी ईट्स के साथ हम चलते–फिरते गंदे और असुविधाजनक भोजन की समस्या का समाधान कर रहे हैं, जबकि प्योर वेज सेक्शन शाकाहारी यात्रियों को मानसिक शांति देता है। कुल मिलाकर, हम उस अनुभव को जीवंत करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे हम सभी जानते हैं कि यात्रा गंतव्य जितनी ही महत्वपूर्ण होती है! इसके अलावा, स्विगी ने शाकाहारी भोजन पसंद करने वालों और नवरात्रि में व्रत करने वाले यात्रियों के लिए एक विशेष प्योर वेज सेक्शन भी लॉन्च किया है। इस नए फीचर की मदद से 100प्रतिशत शाकाहारी, स्वादिष्ट और भरोसेमंद भोजन आसानी से खोजा जा सकता है। इतना ही नहीं, इस त्योहार के मौसम में यात्रियों के लिए स्विग्गी ने ऑफर जोन भी पेश किया है, जहां ट्रेन में ऑर्डर किए जाने वाले खाने पर बेहतरीन डील्स का लाभ उठाया जा सकता है। इस विशेष सेक्शन में यात्रियों को किसी भी स्टेशन पर उपलब्ध 30+ बेहतरीन डील्स तक तुरंत पहुँच मिलती है, जिसमें शीर्ष रेस्तरां में 60प्रतिशत तक की छूट भी शामिल है, जिससे स्वादिष्ट भोजन पर बचत करना आसान हो जाता है। इस त्योहार के मौसम में, ट्रेन यात्रियों के पास 5,000 से अधिक व्यंजनों में से अपना पसंदीदा खाना चुनने और इसे 115+ स्टेशनों पर सीधे अपने ट्रेन सीट पर मंगवाने का विकल्प है! चाहे यह अहमदाबाद की पारंपरिक थाली हो या पश्चिम बंगाल का स्वादिष्ट सीफूड करी, स्विग्गी भारत के स्थानीय स्वादों का बेहतरीन अनुभव सीधे यात्रियों की ट्रेन सीट तक पहुंचा रहा है। क्यूरेटेड विकल्प, भरोसेमंद गुणवत्ता और सहज तकनीक को मिलाकर, स्विगी अपने ग्राहकों को यह सुनिश्चित करते हुए तेजी से ऑर्डर करने में मदद करने के लिए समर्पित है कि वे सही चुनाव कर रहे हैं, भले ही वे यात्रा कर रहे हों। ये सभी फीचर्स खाने की खोज को सरल और अधिक एंजॉयेबल बनाते हैं, और यूजर्स अब 25प्रतिशत तक तेजी से ऑर्डर कर सकते हैं। स्विगी का अपग्रेडेड फूड ऑन ट्रेन पेज इसी गति के लिए तैयार किया गया है, जो कमजोर इंटरनेट कनेक्शन पर भी बेहतरीन काम करता है। भारत की लंबी दूरी की ट्रेनों में हर दिन लगभग 16 लाख रिजर्व्ड यात्री सफर करते हैं। अधिकांश यात्रियों के लिए खाने के विकल्प लंबे समय से पेंट्री कार के भोजन या स्टेशन स्टॉल्स पर उपलब्ध खाने तक ही सीमित रहे हैं, जो अक्सर स्वच्छता, विविधता और सुविधा में पूरी तरह से संतोषजनक नहीं होते। स्विगी की फूड ऑन ट्रेन सेवा ने इस कमी को पूरा करना शुरू कर दिया है, और 115+ स्टेशनों पर भरोसेमंद स्थानीय रेस्तरां पार्टनर्स से गर्म और स्वादिष्ट भोजन सीधे ट्रेन सीट तक पहुँचाती है।

एसकेडी इंटरनेशनल स्कूल, अवध विहार योजना में सीताराम मंदिर का नींव पूजन

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय).

एसकेडी इंटरनेशनल स्कूल, अवध विहार योजना में सीताराम मंदिर का नींव पूजन समारोह नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह शुभ अवसर एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के माननीय चेयरमैन श्री एस.के.डी. सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक अनुष्ठानों, पूजा और मंत्रोच्चारण के साथ हुई, जिसने मंदिर की मजबूत आध यात्मिक नींव का प्रतीकात्मक स्वरूप प्रस्तुत किया। इस पावन अवसर पर सभी उपस्थित लोगों को प्रसाद, रामनामी और रामायण वितरित की गई तथा 07 अक्टूबर 2025 को वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ करने के साथ ही नियमित रामायण पाठ करने का भी आग्रह किया गया। गणमान्य अतिथियों और शैक्षणिक नेतृत्व की उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक प्रेरणादायी बना दिया। इस अवसर पर एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक श्री मनीष सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहारू "विद्यालय परिसर में सीताराम मंदिर का निर्माण केवल एक स्थापत्य पहल नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों में नैतिक, आध यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने का एक प्रयास है। यह मंदिर भक्ति और अनुशासन का दीपस्तंभ बनकर आने वाली पीढ़ियों के चरित्र को संवारने का कार्य करेगा।" इस पावन आयोजन में उप–निदेशिका निशा सिंह और सहायक निदेशिका (शैक्षणिक) कुसुम बत्रा भी उपस्थित रहीं। साथ ही एसकेडी समूह के सभी शाखा प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और छात्रों ने अपनी सहभागिता से इस समारोह को सफल बनाया। नवरात्रि अष्टमी के दिन संपन्न हुआ यह नींव पूजन संस्था के लिए एक पावन यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है, जो एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन की शैक्षणिक उत्कृष्टता को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास के साथ जोड़ने की दृष्टि को सशक्त बनाता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।